भारत सरकार

विदेश मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.302

03.02.2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

शंघाई सहयोग संगठन देशों की बैठक

302. श्रीमती परनीत कौर:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हाल ही में सितम्बर,2020 में रूस में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के विदेश मंत्रियों की बैठक में किन-किन देशों की सहभागिता रही और उक्त बैठक में हुई चर्चा का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या भारत ने एससीओ के विदेश मंत्रियों की बैठक के बाहर भी विभिन्न देशों के नेताओं के साथ बैठकें/चर्चा की है और यदि हां, तो उक्त बैठकों /चर्चा में किन–किन मुद्दों पर विमर्श /बातचीत हुई और किन-किन बिंदुओं पर सहमति बनी;

(ग) क्या भारत ने हाल ही के भारत-चीन सैन्य विवाद के संबंध में चीन के साथ कोई द्विपक्षीय बैठक की और यदि हां, तो उसमें चीन का रवैया क्या था;

(घ) एससीओ के परिदृश्य के सापेक्ष भारत की यूरेशिया संबंधी योजना/नीति क्या है;

(ङ.) क्या चीन के साथ बढ़ते तनाव के बावजूद भारत का एससीओ में और अधिक सार्थक भूमिका निभाने का विचार है; और

(च) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विदेश राज्य मंत्री

[श्री वी. मुरलीधरन]

(क) शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों (भारत, कजाखस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान) के विदेश मंत्रियों, एससीओ के महासचिव और एससीओ क्षेत्रीय आतंकरोधी संरचना (एससीओ आरएटीएस)की कार्यकारी समिति के निदेशक ने 10 सितंबर, 2020 को मास्को में आयोजित विदेश मंत्रियों की एससीओ परिषद की बैठक में भाग लिया।

बैठक में चर्चा की गई:

(i) नई कोरोनोवायरस महामारी के वैश्विक राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक परिणामों को ध्यान में रखते हुए एससीओ के क्रियाकलापों में भावी प्रगति की स्थिति और संभावनाएं;

(ii) 10 नवंबर, 2020 को होने वाली राष्ट्राध्यक्षों की परिषद की बैठक की तैयारी;

(iii) वर्तमान अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मसले;

(iv) संयुक्त राष्ट्र की 75 वीं वर्षगांठ और एससीओ सदस्य देशों की परिचर्चा की विदेश नीति को बढ़ावा देना।

बैठक के अंत में एक प्रेस विज्ञप्ति/सूचना वक्तव्य जारी किया गया ।

(ख) शंघाई सहयोग संगठन के विदेश मंत्रियों की बैठक के साथ-साथ, विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने रूस, कजाखस्तान, किर्गिज़ गणराज्य, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। विदेश मंत्री ने रूस-भारत-चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी भाग लिया।

रूसी विदेश मंत्री के साथ उनकी बैठक के दौरान, विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय सहयोग (अगले भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन, भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग आदि के आयोजन कार्यक्रम सहित) के साथ-साथ पारस्परिक हित के क्षेत्रीय/अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा की। दोनों मंत्रियों ने दोनों देशों के बीच विशेष और विशेषाधिकार प्राप्त सामरिक भागीदारी को महत्व दिया।

रूस-भारत-चीन के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान तीनों पक्षों ने अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय महत्व के त्रिपक्षीय सहयोग और सामयिक मुद्दों को और मजबूत करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने समावेशी बहुपक्षवाद और अंतरराष्ट्रीय कानून को सार्वभौमिक रूप से मान्य सिद्धांतों के लिए अपने समर्थन को दोहराया। वे सहमत हुए कि तीनों देश कोविड -19 महामारी के प्रभाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। रूसी विदेश मंत्री ने आधिकारिक तौर पर भारत के विदेश मंत्री को आरआईसी की अध्यक्षता सौंपी।

कजाखस्तान, किर्गिज गणराज्य, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के विदेश मंत्रियों के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठकों के दौरान विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय रणनीतिक सहयोग को और मजबूत बनाने, भारत-मध्य एशिया संवाद की अगली बैठक, आर्थिक सहयोग, कनेक्टिविटी,भारत सरकार की ऋण व्यवस्था के माध्यम से विकास परियोजनाओं के कार्यान्वयन संबंधी मामलों, अफगानिस्तान की स्थिति आदि पर चर्चा की । इन मध्य एशियाई देशों के विदेश मंत्रियों ने भी भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने की इच्छा व्यक्त की।

(ग) विदेश मंत्री ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के साथ-साथ 10 सितंबर 2020 को मास्को में चीनी विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। दोनों मंत्रियों ने भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों के घटनाक्रमों पर गहन चर्चा की और पांच सूत्री क़रार संपादित किया ।

(घ) भारत एससीओ का उपयोग यूरेशियन क्षेत्र, विशेष रूप से हमारे विस्तारित पड़ोस के साथ फिर से जुड़ने, एससीओ क्षेत्रीय आतंकवाद रोधी संरचना (एससीओ आरएटीएस) के माध्यम से आतंकवाद, चरमपंथ और अलगाववाद के खतरों का मुकाबला करने में सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने,अफगानिस्तान पर सहयोग करने और इस क्षेत्र में हमारे व्यापार, आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग को गहन बनाने के लिए एक मंच के रूप में करता है।

(ङ) और (च) जी,हां। 2017 में एससीओ का सदस्य राष्ट्र बनने के बाद से ही, भारत ने रचनात्मक और सकारात्मक भूमिका निभाई है और इसके एजेंडा को समृद्ध बनाने और इस संगठन को मजबूत बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दिया है।

नवंबर 2019 में, रोटेशन के अनुसार - भारत ने एक वर्ष की अवधि के लिए 19 वें एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (सीएचजी) की अध्यक्षता ग्रहण की ।

हमारी अध्यक्षता की अवधि के दौरान, माननीय पीएम की पिछली घोषणाओं को लागू करने और संगठन के भीतर भारत के नेतृत्व वाली और भारत संचालित कार्यकलापों के लिए एक भिन्न स्थान बनाने के लिए हमारा प्रयास रहा था।

एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद (एससीओ सीएचजी) का 19 वां शिखर सम्मेलन 30 नवंबर, 2020 को वर्चुअल रूप से आयोजित किया गया था। भारत के माननीय उपराष्ट्रपति ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए एससीओ क्षेत्र के व्यापार और आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और 2020 में भारत द्वारा एससीओ सीएचजी की अध्यक्षता में ठोस पहल की घोषणा की गई। इनमें भारत की अध्यक्षता में स्टार्टअप्स और नवाचार संबंधी एक नया विशेष कार्य समूह बनाना, पारंपरिक चिकित्सा में सहयोग पर एक विशेषज्ञ कार्य समूह की स्थापना, द्विपक्षीय आधार पर एससीओ यंग साइंटिस्ट कॉन्क्लेव की स्थापना, बी2 बी प्रारूप में एक वार्षिक एससीओ एमएसएमई बाज़ार की मेजबानी और भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा एक डिजिटल एससीओ एमएसएमई केंद्र की स्थापना शामिल हैं।

***